ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-07-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-07-15	2026-07-16	2026-07-17	2026-07-18	2026-07-19
वर्षा (मिमी)	25.0	8.0	8.0	6.0	3.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	30.0	30.0	31.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	82	80	85	86	84
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	54	49	55	59	61
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	1	3	5	7	3
पवन दिशा (डिग्री)	18	188	234	250	221
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	7	7	7	8
चेतावनी	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

मौसम ठंडा एवं अत्यधिक नम बना रहेगा, लगातार मध्यम से भारी वर्षा के कारण तापमान में ख़ास बदलाव के आसार नहीं है। वर्षा, गरज-चमक और तेज हवाओं के कारण मौसम अस्थिर बना रहेगा।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी बारिश; आंधी-तूफान और बिजली कड़कना, तेज़ हवा के झोंके आदि; ज़मीन के पास तेज़ हवाएँ

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना, फलों का टूटना

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई किसी भी फसल की बुवाई से पहले जल निकासी सुनिश्चित करें तभी बुवाई के लिए जाएँ। जिन किसान का खेत अभी भी परती रह गया हो, वे अविलंब विभिन्न फसल की बोआई अनुशंसित विधि से करें। धान के फसल को छोड़कर अन्य सभी फसल की बोआई मेढ़ बनाकर ही करें। जिन खेतों में धान का रोपा करना हो, वैसे खेतों के मेढ़ को दुरुस्त रखें तथा खेत को जोतकर मिट्टी को खूला छोड़ दें जिससे जल जमाव के साथ - साथ खेत में मौजूद खर- पतवार भी भली भांती सड़ जाए। संक्रमण से बचने और वायु परिसंचरण में सुधार के लिए क्षतिग्रस्त, सड़ते हुए फलों और पीले/रोगग्रस्त पत्तियों को हटा दें। जो किसान पहले ही बोआई कर चुके हैं और अगर अंकुरण समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज बोएँ या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाड़कर खाली जगह में लगा दें। खड़ी फसलों में सिंचाई रोक दें और जल निकासी की सुविधा रखें। मौसम साफ होने तक खाद या कीटनाशकों का छिड़काव रोक दें। वर्षा जल संचयन के लिए अपने खेत के निचले भाग में छोटे -छोटे गड्ढे (डोभा) का निर्माण करें।

लघु संदेश सलाहकार:

टमाटर, बैंगन तथा मिर्च के फसल जो 35 से 40 दिन पुराने हो उनमे निकाई - गुड़ाई कर खरपतवार नियंत्रण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रागी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 3 सप्ताह पुरानी रागी की फसल की रोपाई करें। रोपाई से पहले जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। कतार से कतार की दुरी 30 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 10 सेंटीमीटर रखें।
मक्का	वर्षा के बाद या साफ़ मौसम होने पर मक्के की फसल में फफूंद संक्रमण को रोकने के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें।
चावल	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 20-25 दिन पुराने धान के पौधों को 20 x 10 (आर x पी) सेमी के अंतर पर तैयार खेतों में रोपें। नाइट्रोजन 100 किग्रा./हेक्टेयर, फॉस्फोरस 60 किग्रा./हेक्टेयर, पोटाश 40 किग्रा./ हेक्टेयर और जिंक सल्फेट 25 किग्रा./हेक्टेयर रोपाई से पहले इस्तेमाल करें। जिन धान के खेतों में पानी भरा हुआ है, उनमें एक पैकेट/एकड़ नील हरित शैवाल (बीजीए) डालें, क्योंकि यह नाइट्रोजन का समृद्ध स्रोत है।
चावल	मौजूदा मौसम की स्थिति धान की नर्सरी में धान के ब्लास्ट और जीवाणुजनित पत्ती झुलसा रोग के संक्रमण का कारण बन सकती है। यदि नर्सरी में लीफ ब्लास्ट दिखाई देता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG @ 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथिओलेन 40EC @ 1.5 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं। बीच-बीच में सूखा और गीला मौसम, जल्दी बोई गई नर्सरी में बीएलबी के प्रकोप के लिए अनुकूल है। रोग के प्रसार को रोकने के लिए प्लांटोमाइसिन @1.0 ग्राम/लीटर के साथ हेज़क्साकोनाज़ोल @1.5 मिली/लीटर का पत्तियों पर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	पिछली बारिश के कारण मिर्च और बैंगन में फल सड़न का संक्रमण होने की संभावना है, यदि ऐसा हो तो कार्बेन्डाजिम 50% WP @ 2 ग्राम/लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। यदि आवश्यक हो तो 15 दिनों के अंतराल पर दूसरा और तीसरा छिड़काव करें।
टमाटर	जून-जुलाई में टमाटर की नर्सरी में पौध लगाने का सबसे अच्छा समय होता है। बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडे @ 4 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। बीज को बोने से 24 घंटे पहले बीज उपचारित करना चाहिए। उन्नत किस्में – स्वर्ण लालिमा, अर्का आभा, स्वर्ण सम्पदा, स्वर्ण समृद्धि, पूसा संकर-1, सुरक्षा।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	जुगाली करने वाले पशुओं को नयी घास चरने से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल नेमाटोड बीमारी की संभावना रहती है जिसमे एनीमिया और दस्त जैसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके लिए फेनबेन्डाज़ोल 5 से 10 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम वज़न के हिसाब से पशुओं को दें।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
आम सीएआरपी	वर्षा के बाद तालाब को साफ़ कर मछलि उत्पादन हेतु जीरा संचयन करे, अधिक उत्पादन हेतु छः मछलियों की अंगुलिकाएँ 4000 प्रति एकड़ संख्या में निम्नांकित अनुपात में डालें - कतला 800 संख्या प्रति एकड़, रोहू 1200 संख्या प्रति एकड़, मृगल 800 संख्या प्रति एकड़, सिल्वर 400 संख्या प्रति एकड़, ग्रास कार्प 300 संख्या प्रति एकड़ तथा कॉमन कार्प 500 संख्या प्रति एकड़। मछली के कृत्रिम भोजन (2 से 3 किलोग्राम प्रति एकड़ तालाब) के लिए सरसों की खली एवं चावल का कुंडा बराबर मात्रा में मिलकर जीरा संचयन से तीन माह तक के मछलियों को दे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फूल एवं फल झड़ना, फसल गिरना, जल जमाव

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलों में जल निकासी की व्यवस्था करें, सहारा वाली फसलों को बांधें

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details